सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम

भाग ए– परिचय				
पाठ्यक्रम – प्रमाण पत्र	कक्षा–बी.ए.	वर्ष –2021	सत्र–2021–2022	
विषय–हिन्दूस्तानी संगीत–गायन				
1.	कोर्स कोड	A1-MSIN1T		
2.	कोर्स शीर्षक	भारतीय संगीत का इतिहास		
3.	कोर्स टाइप	कोर कोर्स		
4.	पूर्व अपेक्षित (यदि हो)	इस कोर्स का अध्ययन के लिये छात्र ने विषय संगीत का अध्ययन कक्षा–12 वी/ प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा में किया हो।		
5.	कोर्स अधिगम उपलब्धि (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को हिन्दूस्तानी संगीत पद्धति का परिचय कराना। 2. संगीत के कुछ प्रारंभिक पारिभाषिक शब्दों का अर्थ/ रागों और तालों से परिचय कराना। 3. स्वरलिपि पद्धति क्या है? स्वरलिपि के अविष्कारक का सांगीतिक योगदान का परिचय कराना। 4. संगीत के क्षेत्र में रोजगार के क्या–क्या अवसर है? यह भी विद्यार्थी जान सकेंगे।		
6.	क्रेडिट मान	02 सैद्धांतिक		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंकः 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः 08+25	

भाग ब–कोर्स की सामग्री		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
	निर्धारित रागः–बिलावल, खमाज, काफी **निर्धारित तालः–दादरा, कहरवा, त्रिताल**	8
1	**परिभाषाएँः–** 1.1 संगीत, स्वर, अलंकार, नाद, सप्तक, थाट, राग। 1.2 आरोह, अवरोह, पकड़, वादी, संवादी, विवादी, अनुवादी।	
2	**रागों व तालों का परिचयः–** 2.1 निर्धारित रागों और तालों का संपूर्ण परिचय, दोहा आरोह, अवरोह पकड़, सहित लेखन अभ्यास। 2.2 निर्धारित थाटों बिलावल, खमाज, काफी, में पाँच–पाँच अलंकारों का लेखन अभ्यास।	8
3	**पंडित मातखण्डे स्वरलिपि एवं सांगीतिक योगदानः–** 3.1 पं. विष्णु नारायण भातखण्डे का स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन। 3.2 पं. विष्णु नारायण भातखण्डे जी का सांगीतिक योगदान व जीवन परिचय का अध्ययन। 3.3 सरगम, लक्षणगीत, छोटाख्याल स्वरलिपि में लेखन।	8
4	**संगीत के क्षेत्र में रोजगारः–** 4.1 विद्यालयों में संगीत शिक्षण कार्यः– अर्हता एवं साक्षात्कार की पूर्व तैयारी। 4.2 अपने वाद्य–यंत्र की जानकारी, रख–रखाव।	6

30/5/2021
(Dr. Ravikumar Pandole)

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1.1 भातखण्डे संगीत शास्त्र, भातखण्डे, वि. ना. हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र.।(1951, 1968, 1969. 1970)

1.2 संगीत शास्त्र दपर्ण– भाग–1–2 गोवर्धन, शांति, (2004, 2005)

1.3 क्रमिक पुस्तक मल्लिका भाग–1, 2 भातखण्डे, वि. ना. हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र.। (2009, 2011)

1.4 भातखण्डे, लक्षण गीत संग्रह भाग–1, 2 भातखण्डे, वि. ना. हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र.। (1999)

1.5 संगीत विशारद गर्ग, लक्ष्मी नारायण हाथरस–संगीत कार्यालय (1998)

1.6 संगीत मणी भाग –1, 2 शर्मा, महारानी, श्रीभुवनेश्री प्रकाशन इलाहाबाद (2008, 2011)

Suggested Links:-

1. "@Aarambhika" on Facebook live
2. Swarnjali kala sadhak Gwaliior
3. Swar sanskar live on Facebook

भाग द–अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:–

अनुशंसित सतत् मूल्यांकन विधियां:–
अधिकतम अंक: 100
सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 75

आंतरिक मूल्यांकन सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 कुल अंक : 25
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय – 02.00 घंटे	अनुभाग (अ) : तीन अति लघु प्रशन (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब) : चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द) अनुभाग (स) : दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03x03=09 04x09=36 02x15=30 कुल अंक : 75

कोई टिप्पणी सुझाव:–

Pandole 30/5/2021
(Dr. Ravikumar Pandole)

Part A : Introduction				
Program : Certificate course	**Class** : B.A.	**Year** : 2021	**Sessions** : 2021-2022	
Subject : Hindustani Music-Vocal				
1.	**Course Code**	**A1-MSIN1T**		
2.	**Course Title**	**History of Indian Music**		
3.	**Course Type (Core/Elective/Generic)**	Core course		
4.	**Pre-requisite (If any)**	This course can be opted as an elective by the student of the following subject music/open for all.		
5.	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. The course aims to acquaint the students with the Hindustani Music System. 2. The meaning of the initial technical words of music and to acquaint the student with Ragas and Talas. 3. What is notation System? It aims to introduce the students with the inventor of notation and his musical contribution. 4. Student will come to know about the employment opportunities in the field of music.		
6.	**Credit Value**	Theory -02		
7.	**Total Marks**	Max. Marks : 25 + 75	Min. Passing Marks : 8 + 25	

Part B : Content of the Course		
Total numbers of Lectures (in hours per week) : 2 hours per week Total Lecture : 30 hours		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures**
I	**Prescribed Ragas** :- Bilaval, Khamaj, Kafi, **Prescribed Talas** :- Dadra, kaharwa, Trital	08
	Definition of Technical Terms:- 1.1 Sangit, swara, Alankar, Naad, Saptak, thata, Raga 1.2 Aaroh, Avroh, Pakad, Vadi, Samvadi, Vivadi, Anuvadi	
II	**Theoretical Study :-** 2.1 Study of detailed Introduction of prescribed Ragas and Talas along with Doha, aaroh, avroh and pakad 2.2 Ptactice of writing five Alankars in Thala Bilaval, Khamaj, Kafi,	08
III	**Notation system and musical contribution of Pt. Bhatkhande :-** 3.1 Study of Pt. Bhatkhande notation system 3.2 The biography and contribution of Pt V.N. Bhatkhande 3.3 Notation Writing of Bandish, Sargam, Lakshan Geets Madhya laya khyalas in above Ragas	08
IV	**Employment in the Field of Music:-** 4.1 Teaching jobs in school in the field of music 4.2 Knowledge of tuning and minor repairs of own instrument Tanpura/Harmonium.	06

Pandole
30.5.2021
(Dr. Rajkumar Pandole)

Part C : Learning Resources

Text Books, Reference Books, other resources

Suggested Readings:-

1.1 Bhatkhande Sangit sastra, Bhatkhande, V.N., Hathras- Sangit karyalaya – (1951,1968,1969, 1970)
1.2 Sangit Shastra Darpan Part – 1,2 Goverdhan shanti, (2004, 2005)
1.3 Kramik pustak Mallika Part – 1,2 Bhatkhande, V.N., Hathras sangit karyalaya, UP (2009) (2011)
1.4 Bhatkhande Lakshan geet Sangrah, Part – 1,2 Bhatkhande, V.N. Hathras, sangit karyalaya, UP (1999)
1.5 L.N., Sangeet Visharad Garg., Laxmi Narayan Hathras-Sangit karyalay,(1998)
1.6 Sangit Mani, Part – 1,2 Sharma, Maharani – shri Bhueashwari Prakashan, Allahabad (2008,2011)

Suggested Links:-

1. "@Aarambhika" on Facebook live
2. Swarnjali kala sadhak Gwaliior
3. Swar sanskar live on Facebook

Part D : Assessment and Evaluation (Theory)

Maximum Marks : 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 25
University Exam (UE): 75
Time : **02:00 Hours**

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class test	15
	Assignment/Presentation	10
	Total	25
External Assessment: University Exam	Section (A): Three Very Short Questions (50 Words Each)	03 X 03 = 09
	Section (B): Four Short Questions (200 Words Each)	04 X 09 = 36
	Section (C): Two long Questions (500 Words Each)	02 X 015 = 30
	Total	75

Pandole
30/5/2021
(Dr. Ravikumar Pandole)

प्रायोगिक प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम

भाग अ– परिचय				
पाठ्यक्रम – प्रमाण पत्र		कक्षा–बीए.	वर्ष– 2021	सत्र–2021–2022
हिन्दुतानी संगीत –गायन				
1.	कोर्स कोड	A1-MSIN1P		
2.	कोर्स शीर्षक	भारतीय संगीत का इतिहास		
3.	कोर्स टाइप–	कोर कोर्स		
4.	पूर्व अपेक्षित (यदि हो)	इस कोर्स का अध्ययन के लिये छात्र ने विषय संगीत का अध्ययन कक्षा–12 वी/ प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा में किया हो।		
5.	कोर्स अधिगम उपलब्धि (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. निर्धारित रागों का और तालों का परिचय कराना। 2. संगीत के प्रारंभिक पारिभाषिक शब्दों का अर्थ व उनका संगीत में प्रयोग की जानकारी देना। 3. स्वरलिपि पद्धति और स्वरलिपि के अविष्कार के विषय में संपूर्ण जानकारी देना। 4. हिन्दी पद्धति के दस थारों की जानकारी देना। 5. संगीत में रोजगार के क्षेत्रों की जानकारी देना व पूर्ण तैयारी का ज्ञान कराना। 6. अपने वाद्य यंत्र के रख–रखाव के साथ स्वर मिलाने की तकनीक से अवगत कराना।		
6.	क्रेडिट मान	04 प्रायोगिक		
7.	कूल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 08+25	

भाग ब–कोर्स की सामग्री		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
	निर्धारित राग:–बिलावल, खमाज, काफी **निर्धारित ताल:–दादरा, कहरवा, त्रिताल**	
1	1.1 बिलावल, खमाज, काफी, थाटों में पाँच–पाँच अलंकारों का अभ्यास।	10
2	2.1 निर्धारित रागों में सरगम और लक्षण गीतों का गायन अभ्यास।	10
3	3.1 निर्धारित रागों में द्रुत ख्यालों का गायन अभ्यास।	10
4	4.1 निर्धारित तालों को तालालिपि में लेखन व हाथ से ताली देकर प्रदर्शन का अभ्यास।	10
5	5.1 अपने क्षेत्रों में गाये जाने वाले लोक संगीत में किसी एक शैली के लोक की गीत प्रस्तुति।	10
6	61 वंदना, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान का गायन।	10

30.5.2021
(Dr. Ravi Kumar Pandole)

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
1.1 भातखण्डे संगीत शास्त्र, भातखण्डे, वि. ना. हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र.।(1951, 1968, 1969. 1970) 1.2 संगीत शास्त्र दपर्ण– भाग–1–2 गोवर्धन, शांति, (2004, 2005) 1.3 क्रमिक पुस्तक मल्लिका भाग–1, 2 भातखण्डे, वि. ना. हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र.। (2009, 2011) 1.4 भातखण्डे, लक्षण गीत संग्रह भाग–1, 2 भातखण्डे, वि. ना. हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र.। (1999) 1.5 संगीत विशारद गर्ग, लक्ष्मी नारायण हाथरस–संगीत कार्यालय (1998) 1.6 संगीत मणी भाग –1, 2 शर्मा, महारानी, श्रीभुवनेश्री प्रकाशन इलाहाबाद (2008, 2011) **Suggested Links:-** 1. "@Aarambhika" on Facebook live 2. Swarnjali kala sadhak Gwaliior 3. Swar sanskar live on Facebook

भाग डी–अनुशंसित मूल्यांकन विधियां–			
अनुशंसित सतत् मूल्यांकन विधियाः–			
आंतरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद / प्रश्नोत्तरी	10	प्रायोगिक मौखिकी (वायवा)	15
उपस्थिति	5	प्रायोगिक रिकॉर्ड फाइल	10
असाइनमेंट (चार्ट / मॉडल / सेमिनार / ग्रामीण सेवा / प्रौद्यौगिकी प्रसार / भ्रमण (कस्कर्शन)की रिपोर्ट / सर्वेक्षण / प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट) औद्यौगिक यात्रा / प्रेक्टिकल फाईल	10	टेबल वर्क / प्रयोग / मंच प्रदर्शन	50
कुल अंक	25		75
कोई टिप्पणी सुझावः–			

30/5/2021
(Dr. Ravi Kumar Pandey)

Part A : Introduction				
Program : Certificate course		**Class** : B.A.	**Year** : 2021	**Sessions** : 2021-2022
Subject : Hindustani Music-Vocal				
1.	**Course Code**	**A1MSIN1P**		
2.	**Course Title**	History Of Indian Music		
3.	**Course Type (Core/Elective/Generic)**	Core course		
4.	**Pre-requisite (If any)**	This course can be opted as an elective by the student of the following subject music/open for all.		
5.	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. The course aims to acquaint the students with the Hindustani Music System. 2. The meaning of the initial technical words of music and to acquaint the student with Ragas and Talas. 3. What is notation System? It aims to introduce the students with the inventor of notation and his musical contribution. 4. Student will come to know about the employment opportunities in the field of music. 5. To acquaint the student to tune the self instrument and it's formal repair.		
6.	**Credit Value**	Practical -04		
7.	**Total Marks**	Max. Marks : 25 + 75	Min. Passing Marks : 8 + 25	
8.	**Total no of L-T-P**	4 Hours per week		

Part B : Content of the Course		
Total numbers of Practical(in hours per week) : 4 hours per week Total Lecture : 60 hours		
Unit	**Topics**	**Number of Lectures**
	Prescribed Ragas :- Bilaval, Khamaj, Kafi, **Prescribed Talas** :- Dadra, kaharwa, Trital	
I.	Practice of Primary Five Alankar's in Thatas, Bilaval, Khamaj, Kafi	15
II.	Sargam, Lakshan Geets, and Madhya laya khyalas in above Ragas	15
III.	Writing in notation and Theka of above talas (Orally by giving tali and khali on hand)	15
IV.	Perform a folk style songs of your region	10
V.	Singing - Prayer, National Anthem, National Song	05

30/5/2021
(Dr. Ravi Kumar Pandey)

Part C : Learning Resources
Text Books, Reference Books, other resources

Suggested Readings:-

1.1 Bhatkhande Sangit sastra, Bhatkhande, V.N., Hathras- Sangit karyalaya – (1951,1968,1969, 1970)
1.2 Sangit Shastra Darpan Part – 1,2 Goverdhan shanti, (2004, 2005)
1.3 Kramik pustak Mallika Part – 1,2 Bhatkhande, V.N., Hathras sangit karyalaya, UP (2009) (2011)
1.4 Bhatkhande Lakshan geet Sangrah, Part – 1,2 Bhatkhande, V.N. Hathras, sangit karyalaya, UP (1999)
1.5 L.N., Sangeet Visharad Garg., Laxmi Narayan Hathras-Sangit karyalay,(1998)
1.6 Sangit Mani, Part – 1,2 Sharma, Maharani – shri Bhueashwari Prakashan, Allahabad (2008,2011)

Suggested Links:-

1. "@Aarambhika" on Facebook live
2. Swarnjali kala sadhak Gwaliior
3. Swar sanskar live on Facebook

Part D : Assessment and Evaluation (Practical)

Suggested Continuous Evolution Methods:

Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
Class Interaction /Quiz	10	Viva Voce on Practical	15
Attendance	5	Practical Record File	10
Assignments (Charts/ model seminar/ Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey/ Industrial visit)	10	Table work/ Experiments	50
Total	**25**		75

(30/5/2021)
(Dr. Ravi Kumar Bandole)

सैद्वांतिक प्रश्न पत्र के पाठयक्रम का प्रारूप

भाग–अ–परिचय				
पाठ्यक्रम – सर्टिफिकेट		कक्षा–बी. ए.	वर्ष – प्रथम	सत्र–2021–2022
विषय–हिन्दूस्तानी संगीत–गायन				
1.	कोर्स कोड	A1MSIN2T		
2.	कोर्स शीर्षक	भारतीय संगीत के विविध आयाम		
3.	कोर्स टाइप	कोर कोर्स		
4.	पूर्व अपेक्षित (यदि कोई हो)	सभी 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध।		
5.	कोर्स अधिगम उपलब्धि (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का लक्ष्य विद्यार्थियों में संगीत के प्रति जागरूकता तथा ज्ञान में वृद्वि करना। 2. लोक संगीत, सुगम संगीत, उप–शास्त्रीय संगीत की जानकारी 3. हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्व पार्श्व गायक–गायिकाओं की जीवनी तथा संघर्ष व योगदान से परिचय कराना।		
6.	क्रेडिट मान	02 सैद्वांतिक		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंकः– 25+75		न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः– 08+25

भाग ब–पाठ्क्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या–टयुटोरियल, प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) L.T.D

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1.	पाठ्क्रम हेतु निर्धारित राग :– खमाज, भैरवी पाठ्क्रम हेतु निर्धारित ताल :– रूपक, झपताल, त्रिताल	6
	सामान्य अध्ययनः– अ लोकसंगीत ब सुगमसंगीत स उपशास्त्रीय	
2.	सांगीतिक शब्दावलीः– अ आकाशवाणी– दूरदर्शन के संगीत कार्यक्रमों की समीक्षा। ब क्षेत्रीय संगीत समारोह की समीक्षा।	6
3.	स्वरलिपि अध्ययनः– अ पं विष्णुनारायण भातखण्डे स्वरलिपि पध्दति। ब पं विष्णु दिगंबर पलुस्कर स्वरलिपि पध्दति।	6
4.	स्वर–लय अध्ययनः– अ स्वरः–शुध्द विकृत। ब लयः– विलंबित, मध्य, द्रुत। स हारमोनियम वाद्ययंत्र की जानकारी।	6
5.	चित्रपट संगीत के पार्श्व गायक–गायिका अ भारतरत्न सुश्री, लता मंगेशकर – इंदौर, जीवन परिचय एवं सांगितिक योगदान। ब स्व. किशोर कुमार खण्डवा, जीवन परिचय एवं सांगितिक योगदान।	6

संदर्भः– पाठ्यपुस्तकें संदर्भ पुस्तकें अन्य संसाधन
1. भातखण्डे, वि. ना., क्रमिक पुस्तक मल्लिका भाग–1, 2, हाथरस–संगीत कार्यालय उ.प्र., 2009, 2011
2. गोवर्धन, शांति, संगीत शास्त्र दर्पण– भाग–1, 2, रत्नाकर पाठक इलाहाबाद, 2004, 2005, 2006
3. पराजपे डॉ शरच्चंद्र श्रीधर, संगीत बोध, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल, 1972, 1986, 1992
4. शर्मा डॉ. मृत्युजय, संगीत मैनुअल, एच.जी. पब्लिकेशंस नई दिल्ली, 2004, 2005, 2006
5. गर्ग लक्ष्मी नारायण, निबंध संगीत, संगीत कार्यालय हाथरस उ.प्र., 1978
6. गर्ग लक्ष्मी नारायण, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय हाथरस उ.प्र., 1998
7. उपाध्याय डॉ. कृष्णदेव, हिन्दी प्रदेश के लोकगीत, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड इलाहाबाद, 1990
8. मोहम्मद शरीफ, मध्यप्रदेश का लोकसंगीत, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 1999
9. यमन डॉ. अशोक कुमार, टेलिविजन और संगीत, कल्पना प्रकाशन नई दिल्ली, 2014
10. गुप्ता विनीता, स्वर कोकिला, प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली, 2015
11. मिश्र यतीन्द्रनाथ, लता सुर गाथा, वाणी पब्लिकेशंस इलाहाबाद, 2016
12. धीमन कमल, वर्सेटाइी जीनियंस किशोर कुमार, निकीता पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली, 2011
13. सीमा, गाता रहे मेरा दिल, निकिता पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली, 2002

भाग द–अनुशंसित मूल्यांकन विधियांः–		
अनुशंसित सतत् मूल्यांकन विधियांः– अधिकतम अंकः 100 सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 75		
आंतरिक मूल्यांकन सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेटेशन)	15 10 कुल अंक : 25
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय – 02.00 घटे	अनुभाग (अ) : तीन अति लघु प्रशन (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब) : चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द) अनुभाग (स) : दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03x03=09 04x09=36 02x15=30 कुल अंक : 75
कोई टिप्पणी सुझाव :–		

(1)

Part A : Introduction				
Program : Certificate Course		**Class** : B.A.	**Year** : I	**Sessions** : 2021-2022
Subject : Hindustani Music-Vocal				
1.	**Course Code**	**A1MSIN2T**		
2.	**Course Title**	**Multi Dimension Of Hindustani Music**		
3.	**Course Type (Core/Elective/Generic)**	Core Course		
4.	**Pre-requisite (If any)**	Open for all 12th Pass Students		
5.	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Introduction of types of Indian Music:- 1.1 Folk Music 1.2 Semi Classical Music 1.3 Light Music 2. Reporting of Akashvani, Doordarshan and Music Festival of Madhya Pradesh. 3. Introduction of Lifesketch of Film Playback Singers of Madhya Pradesh and their contribution in Music. 4. Harmonium which is used in Indian Music, its complete description.		
6.	**Credit Value**	Theory -02		
7.	**Total Marks**	Max. Marks : 25 + 75	Min. Passing Marks : 08 + 25	

Parkash

Part B : Content of the Course		
Total numbers of Lectures (in hours per week) : 2 hours per week Total Lecture : 30 hours		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	**Demarcated Ragas** :- Khamaj, Bhairavi **Prescribed Talas** :- Roopak, Jhaptal, Trital	06
	General Studies:- 1.1 Folk Music 1.2 Light Music 1.3 Semi Classical Music	
II	**Reportive Studies :-** 2.1 Reporting of Music Programmes of Akashvani and Doordarshan. 2.2 Reporting of Regional Music Festival.	06
III	**Study Of Notation System :-** 3.1 Pt. Vishnu Narayan Bhatkhande Notation System. 3.2 Pt. Vishnu Digambar Paluskar Notation System.	06
IV	**Studies Swar - Laya:-** 4.1 Swar: Shuddha, Vikrut (Flat). 4.2 Laya: Vilambit, Madhya, Arut. 4.3 Introduction of Harmonium Instrument.	06
V	**Playback Singers Of Film Music:-** 5.1 Bharat Ratna Sushri Lata Mangeshkar - Indore, Life Sketch and Contribution to Music. 5.2 Late Kishore Kumar - Khandwa, Life Sketch and contribution to Music.	06

Part C : Learning Resources
Text Books, Reference Books, other resources

Suggested Books:-

1. Bhatkhande V.N., Kramik Pustak Malika Part 1,2, Sangeet Karyalaya, Hathras (U.P.) 2009, 2011
2. Govardhan Shanti, Sangeet Shastra Darpan Part 1,2, Ratnakar Pthak, Allahabad, 2004,2005, 2006
3. Paranjpe Dr. S.S., Sangeet Bodh, M.P. Hindi Granth Academy, Bhopal 1972,1986, 1992
4. Sharma Dr. Mrutunjay, Sangeet Manual, H.G. Publication, New Delhi, 2004,2005, 2006
5. Garg Lakshminarayan, Nibandh Sangeet, Sangeet Karyalaya, Hathras (U.P.), 1978
6. Garg Lakshminarayan, Sangeet Vishrad, Sangeet Karyalaya, Hathras (U.P.), 1998
7. Upadhaya Dr. Krishnadev, Hindi Pradesh Ke Lok Geet, Sahitya Bhawan Pvt. Ltd, Allahabad, 1990
8. Mohammad Sharif, Madhaya Pradesh Ka Lok Sangeet, M.P. Hindi Granth Academy, Bhopal, 1999
9. Yaman Dr. Ashok Kumar, Television aur Sangeet, Kalpana Prakashan,New Delhi, 2014
10. Gupta Vinita, Swar Kokila, Prabhat Prakashan, New Delhi, 2015
11. Mishra Yatirdranath, Lata Sur-gataha, Vani Publication, Allahabad, 2016
12. Dheeman Kamla, Versatile Genius Kishor Kumar, Nikita Publication Pvt. Ltd, New Delhi, 2011
13. Seema, Gata Rahe Mera Dil, Nikita Publication Pvt. Ltd, New Delhi, 2002

Suggested Links:-

1. "@Aarambhika" on Facebook live
2. Swarnjali kala sadhak Gwaliior
3. Swar sanskar live on Facebook and Youtube

Part D : Assessment and Evaluation (Theory)		
Maximum Marks : 100 Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 25 University Exam (UE): 75 Time : **02:00 Hours**		
Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class test	15
	Assignment/Presentation	10
	Total	25
External Assessment: University Exam	Section (A): Three Very Short Questions (50 Words Each)	03 X 03 = 09
	Section (B): Four Short Questions (200 Words Each)	04 X 09 = 36
	Section (C): Two long Questions (500 Words Each)	02 X 015 = 30
	Total	75

प्रायोगिक प्रश्न पत्र के पाठयक्रम का प्रारूप

भाग–अ– परिचय				
पाठ्यक्रम –सर्टिफिकेट		कक्षा–बी. ए.	वर्ष –2021	सत्र–2021–2022
हिन्दूस्तानी संगीत गायन				
1.	कोर्स कोड	A1-MSIN2P		
2.	कोर्स शीर्षक	भारतीय संगीत के विविध आयाम		
3.	कोर्स टाइप	कोर कोर्स		
4.	पूर्व अपेक्षित (यदि हो)	इस पाठ्यक्रम को 12वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्रो द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है।		
5.	कोर्स अधिगम उपलब्धि (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों में संगीत का प्रायोगिक ज्ञान के साथ ही हिन्दुस्तानी संगीत के निर्धारित रागों का समग्र परिचय कराना। 2. निर्धारित रागों में आधारित सरगम का तालबद्व गायन कराना। 3. निर्धारित रागों पर आधारित चित्रपट संगीत व गीतों से परिचय कराना। 4. क्षेत्रीय लोक संस्कृति पर आधारित लोकगीतों का परिचय कराना। 5. निर्धारित तालों का गीतों में प्रयोग से परिचय कराना। 6. वंदना, देशभक्ति गीतों, राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत का सामूहिक गान कराना लक्ष्य है।		
6.	क्रेडिट मान	04 – प्रायोगिक		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंकः 25+75		न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः 08+25

भाग ब–कोर्स की सामग्री		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
	निर्धारित राग :– खमाज, भैरवी निर्धारित तालः– रूपक, झपताल, त्रिताल	12
1	1.1 शुद्ध और विकृत स्वरों के पॉच–पॉच अलंकारों का अभ्यास। 1.2 निर्धारित रागों में आरोह–अवरोह और पकड़ के साथ सरगम गीतों का गायन।	
2	2.1 निर्धारित रागों पर आधारित फिल्मी गीतों का संकलन और गायन।	12
3	3.1 अपने क्षेत्र के एक–एक लोकगीत का गायन।	12
4	4.1 निर्धारित तालों को तालिपि में लेखन व हाथ से ताली देकर प्रदर्शन।	12
5	5.1 वंदना, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान का गायन ।	12

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन
संदर्भः–
1.1 भातखण्डे, वि. ना. क्रमिक पुस्तक मल्लिका भाग–1,2, हाथरस–संगीत कार्यालय। (2008,2011)
1.2 भातखण्डे, वि. ना. भातखण्डे, लक्ष्णगीत संग्रह, हाथरस। (1999)
1.3 राग, पंकज, धुनों की यात्रा राजकमल प्रकाशन। (2006)
1.4 श्रीवास्तव, एच.सी. ताल परिचय, रूबी प्रकाशन। (2002)
1.5 मोहम्मद, शरीफ, मध्यप्रदेश के लोक संगीत, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल। (2018)
1.6 श्रीवास्तव, एच.सी. राग परिचय, रूबी प्रकाशन। (2002)

भाग द–अनुशंसित मूल्यांकन विधियांः–			
अनुशंसित सतत् मूल्यांकन विधियांः–			
आंतरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद/प्रश्नोत्तरी	10	प्रयोगिक मौखिकी (वायवा)	15
उपस्थिति	5	प्रयोगिक रिकॉर्ड फाइल	10
असाइनमेंट (चार्ट/मॉडल/सेमिनार/ग्रामीण सेवा/प्रौद्यौगिकी प्रसार/भ्रमण (कस्कर्शन)की रिपोर्ट/सर्वेक्षण/प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट) औद्यौगिक यात्रा	10	टेबल वर्क/प्रयोग	50
कुल अंक	25		75
कोई टिप्पणी सुझावः–			

Part A : Introduction			
Program : Certificate course	**Class** : B.A.	**Year** : I	**Sessions** : 2021-2022
Subject : Hindustani Music-Vocal			

1.	**Course Code**	**A1MSIN2P**	
2.	**Course Title**	**History of Indian Music**	
3.	**Course Type (Core/Elective/Generic)**	Core Course	
4.	**Pre-requisite (If any)**	To study this course, A student must have had the subject - Music in 12th Class & clear pass in Certificate Course.	
5.	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. The course aims to acquaint the students with the Hindustani Music System. 2. The meaning of the initial technical words of music and to acquaint the student with Ragas and Talas. 3. To give some Knowledge of Light music in prescribed ragas. 4. To give Practical Information in Film Songs or Bhajan, based on classical ragas. 5. Informative Knowledge of Folk Music based on Local Language. 6. Provide Knowledge of Talas commonly used in Light or Film Songs.	
6.	**Credit Value**	Practical -04	
7.	**Total Marks**	Max. Marks : 25 + 75	Min. Passing Marks : 10 + 30
8.	**Total no of L-T-P**	4 Hours per week	

Part B : Content of the Course		
Total numbers of Practical(in hours per week) : 3 hours per week Total Lecture : 30 hours		
Unit	Topics	No. of Lectures
	Demarcated Ragas :- Khamaj, Bhairavi **Prescribed Talas** :- Roopak, Jhaptal, Trital	10
I.	Practice of singing Five Alankars of Thatas in Prescribed Ragas for Light Music.	
II.	Learning of Aaroha - Awaroha - Pakad, Sargamgeet in Prescribed Ragas.	10
III.	Practice of singing Bhajan, Geet, Gazal of Film music based on Prescribed Ragas.	10

Part C : Learning Resources
Text Books, Reference Books, other resources

Suggested Readings:-

1.1 Bhatkhande, V.N. - Kramik pustak Mallika Part – 1, Hathras sangit karyalaya (2004)

1.2 Bhatkhande, V.N. - Kramik pustak Mallika Part – 2, Hathras sangit karyalaya (2009) (2011)

1.3 Dr. Shrivastva veena - Bhartiya Lok Sangeet (Sanrakshan, Samvard Evam Sambhavanaye) - (2012) ISBN: 978-81-7487-780-2, Rad Publication, New Delhi

1.4 Gehani Ranjani, Alankars The Riyaz Manual, Impressive Impressions - (2016) https:/www.facebook.com

1.5 Sharma Manorama - Folk India: A Comprehensive Study Of Indian Music & Culture - Sandeep Prakashan(2004) ISBN 817574422, 978814541423

1.6 Garg Lakshminarayan – Sangeet Vishrad, Sangeet Karyalaya, Hathras (U.P.), 1998

Suggested Links:-

1. "@Aarambhika" on Facebook live
2. Swarnjali kala sadhak Gwaliior
3. Swar sanskar live on Facebook

Part D : Assessment and Evaluation (Practical)			
Suggested Continuous Evolution Methods:			
Internal Assessment	**Marks**	**External Assessment**	**Marks**
Class Interaction /Quiz	10	Viva Voce on Practical	15
Attendance	5	Practical Record File	10
Assignments (Charts/ model seminar/ Rural Service/Technology Dissemination/Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey/Industrial visit)	10	Table work/ Experiments	50
Total	**25**		**75**